

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 525]

नई वित्सी, शुक्रवार, सितम्बर 8, 1995/माउ 17, 1917

No. 525]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 8, 1995/BHADRA 17, 1917

कार्यिक, लोक शिकायत तथा पैशन मैत्रालय इंकार्यिक और प्रशिक्षण विभागई

अधिसूचना ः

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1995

का आ 775 के विकास की राज्य कि स्वास कि साधुर, अध्यक्ष, के दीय प्रशासनिक अधिकरण का त्याग-पत्र स्वीकार किए जाने के कारण, के द सरकार, प्रशासनिक अधिकरण अधिनियम, 1985 है। 1985 का 13 है की धारा 7 की उप-धारा है। है दारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए थ्री एन वी कृणान उपाध्यक्ष, के दीय प्रशासनिक अधिकरण को 7 सितम्बर, 1995 से प्रशासनिक अधिकरण अधिनियम, 1985 है। 1985 का 13 है के प्रावधानों के अनुसार, नये अध्यक्ष की नियुक्ति तथा पद ग्रहण करने की तारील तक एसद्वारा अध्यक्ष, के दीय प्रशासनिक अधिकरण के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[रु. 39090/2/95-रुटीर] १श्रीयती१ सरिता प्रसाद, सैयुक्त सचित्र

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (Department of Personnel & Training)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th September, 1995

S.O. 775(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 7 of the Administrative Tribunals Act, 1985 (13 of

2192 GI/95

1985), the Central Government hereby authorises Shri N. V. Krishnan, Vice-Chairman, Central Administrative Tribunal to act as the Chairman, Central Administrative Tribunal, on and from 7th day of September, 1995, by reason of acceptance of resignation of Shri Justice S. C. Mathur as Chairman, Central Administrative Tribunal, until the date on which a new Chairman, appointed in accordance with the provisions of Administrative Tribunals Act, 1985 (13 of 1985) enters upon his office.

[A. 39090/2/95-AT] (SMT.) SARITA PRASAD, Jt. Secy.